Roll No.....

Signature of Invigilator .....

Paper Code

BD-601

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

बी.ए. दर्शन, षष्ठसत्रम्

वेदान्त दर्शन-2, प्रथम-प्रश्नपत्र

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोट: यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में विकल्पसहित (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3 x15 =45)**

1. विभिन्न उपनिषदों में वर्णित अर्चिरादि मार्गों का समन्वयात्मक वर्णन करें।

2. कर्म एवं ज्ञान के परस्पर अङ्गाङ्गीभाव के संदर्भ में वेदान्त मत को प्रस्तुत करें।

3. ब्रह्मज्ञान के अन्तरंग एवं सहकारी साधनों का उल्लेख करें।

4. इष्ट व अनिष्टकारी जीवों के आरोहण एवं अवरोहण पर प्रकाश डालें।

5. सूक्ष्मशरीर से आवेष्ठित जीव के संसरण का उल्लेख करें।

(खण्ड-ख)

(लघु- उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5 x5 =25)

6. जीव के उत्क्रमणकाल में इन्द्रियों के लय-क्रम का वर्णन करें।

7. स्वप्न में उत्पन्न सृष्टि के संदर्भ में ब्रह्मसूत्रकार के मत को स्पष्ट करें।

8. मुक्तात्माओं के ऐश्वर्यों का प्रमाणपूर्वक वर्णन करें।

9. क्रम-मुक्ति एवं सद्यमुक्ति पर प्रकाश डालें।

10. देवयानमार्ग से उत्क्रमण किये जीव कार्यब्रह्म को प्राप्त होता है अथवा कारण ब्रह्म को? ब्रह्मसूत्रानुसार व्याख्या करें।

11. ''जगद्व्यापाश्वर्जं प्रकरणादसन्निहितत्वाच्च'' सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।

12. मुक्तात्माओं की आवृत्ति एवं अनावृत्ति पर प्रकाश डालें।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-602

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

B.A. Darshan, Semester: 6th

दर्शन, प्रश्न-पत्र : द्वितीय

निघण्टु

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. निरुक्त की यास्कभूमिका का सार अपने शब्दों में लिखें।
2. आचार्य वार्ष्यायणी के षड्भावविकार के सिद्धान्त को स्पष्ट करें।
3. "न नूनमस्ति ....." मन्त्र को पूर्णकर सरल शब्दों में अर्थ लिखें।
4. चार प्रकार के पदों का उदाहरण सहित बोध करायें।
5. निपातों के कतिविध अर्थ होते हैं?

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. सभी उपसर्गों को लिखकर अर्थ स्पष्ट करें।
7. सभी शब्द धातु से उत्पन्न होते हैं। ये सिद्धान्त किन का है?
8. सभी शब्द धातु से उत्पन्न नहीं होते हैं। ऐसी मान्यता किन आचार्यों की है।
9. निघण्टु से निम्नलिखित पद से अग्रिम बीस पद लिखें- "गौः"।
10. निघण्टु से निम्नलिखित पद से आगे बीस पद लिखें - "नरः"।
11. उपसर्गों के विषय में आचार्य गार्ग्य का मत अपने शब्दों में लिखें।
12. 'निघण्टवः' एवं 'आचार्य' शब्द की निरुक्तानुसार व्युत्पत्तिकर अर्थ लिखें।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-603

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

B.A. Darshan, Semester: 6th

दर्शन, प्रश्न-पत्र : तृतीय

संस्कृत व्याकरण-I

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. पयस् शब्द के प्रथमा, तृतीया और सप्तमी विभक्तियों के बहुवचन के रूप सिद्ध कीजिए।
2. 'प्रातीपम्' अलङ्कार की विस्तारपूर्वक व्याख्या करें।
3. किन्हीं दस का सूत्रार्थ लिखें- (i) अचः, (ii) उद ईत् (iii) अल्लोपोऽनः (iv) विभाषा ङिश्योः (v) न ङिसम्बुद्ध्योः (vi) खरि च (vii) वावसाने (viii) सान्तमहतः संयोगस्य (ix) नपुंसकस्य झलचः (x) स्वादिष्वसर्वनामस्थाने (xi) एकाचो बशो भष् झषन्तस्य स्ध्वोः (xii) दादेर्धातोर्घः (xiii) क्विन्प्रत्ययस्य कुः।
4. मित्रद्रुह् शब्द के सु और सुप् विभक्ति में बनने वाले सभी रूपों की सिद्धि करें।
5. विषम अलंकार के सभी लक्षण, उदाहरण छन्दसहित लिखें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. पथिन् (प्रथमा एकवचन) सिद्ध करें।
7. हेतोर्वाक्य ..... पूर्ण करें, व्याख्या करें और उदाहरण लिखें।
8. गीः, गीर्षुः दोनों शब्दों को साधे।
9. गोदुह् और दण्डिन् के शब्दरूप लिखें।
10. धनिनोऽपि ..... पूर्ण करें, और अलंकार की व्याख्या करें।
11. प्राङ् शब्द सिद्ध करें।
12. कारणमाला, एकावली और सार अलंकारों के केवल लक्षण लिखें।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-604

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

B.A. Darshan, Semester: 6th

संस्कृत, प्रश्न-पत्र : चतुर्थ

संस्कृत व्याकरण-II

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. सूत्रों की व्याख्या करें- (क) अश्वपत्यादिभ्यश्च (ख) चटकाया ऐरक् (ग) अत इञ्
   (घ) मातृष्वसुश्च (ङ) अपत्यं पौत्रप्रभृति गोत्रम्।
2. सूत्रों की व्याख्या करें- (क) अग्नेर्ढक् (ख) सास्य देवता (ग) परिवृतो रथः
   (घ) नडादिभ्यः फक् (ङ) द्व्यचः।
3. सूत्रों की व्याख्या करें- (क) ढक् च मण्डूकात् (ख) वृद्धाच्छः (ग) नद्यादिभ्यो ढक्
   (घ) वसन्तादिभ्यष्ठक् (ङ) पाशादिभ्यो यः।
4. सूत्रों की व्याख्या करें- (क) तस्य समूहः (ख) महेन्द्राद् घाणौ च (ग) दध्नष्ठक्
   (घ) कलेर्ढक् (ङ) कम्बोजाल्लुक्।
5. सूत्रों की व्याख्या करें- (क) तिकादिभ्यः फिञ् (ख) गोधाया ढ्रक् (ग) क्षत्राद् घः
   (घ) कुलात्खः (ङ) कुरुनादिभ्यो ण्यः।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. सूत्रों की व्याख्या करें- (क) तत्र भवः (ख) पर्वताच्च।
7. सूत्रों की व्याख्या करें- (क) अरण्याण्णो वक्तव्यः (ख) ग्रामाद् यखञौ।
8. सूत्रों की व्याख्या करें- (क) शिवादिभ्योऽण् (ख) शुभ्रादिभ्यश्च।
9. सूत्रों की व्याख्या करें- (क) चतुष्पाद्भ्यो ढञ् (ख) गर्गादिभ्यो यञ्।
10. सूत्रों की व्याख्या करें- (क) द्वन्द्वाच्छः (ख) शुक्राद् घन्।
11. सूत्रों की व्याख्या करें- (क) तेन निर्वृत्तम् (ख) तस्य निवासः।
12. सूत्रों की व्याख्या करें- (क) जनपदे लुप् (ख) वरणादिभ्यश्च।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-605

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

B.A. Darshan, Semester: 6th

संस्कृत, प्रश्न-पत्र : पंचम्

संस्कृत साहित्यम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. बृहदारण्यक उपनिषद् में वर्णित प्राण-संबंधी देवासुर कथा लिखिये तथा प्राण की महिमा को विस्तार से समझाइये।
2. श्वेताश्वतर उपनिषद् में वर्णित विश्व का चक्र के रूप में तथा नदी के रूप में वर्णन कीजिये।
3. श्वेताश्वतर उपनिषद् के अनुसार आसन, प्राणायाम तथा साधनास्थल का वर्णन करते हुये साधना में सफलता की पहचान को भी समझाइये।
4. भगवान् श्रीकृष्ण के अनुसार संन्यास और त्याग परिभाषित करते हुये तीन प्रकार के त्याग का विस्तृत वर्णन कीजिये।
5. भगवान् श्रीकृष्ण के अनुसार चारों वर्णों के स्वाभाविक कर्मों का उल्लेख करते हुये उनके स्वाभाविक कर्मों से श्रीभगवान् का पूजन करने से सिद्धि की प्राप्ति का निरूपण कीजिये।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. बृहदारण्यक उपनिषद् के अनुसार याज्ञवल्क्य मैत्रेयी संवाद का वर्णन कीजिये।
7. प्रजापति के द्वारा दिये गये "द-द-द" के उपदेश की विस्तृत व्याख्या कीजिये।
8. ओंकार के जप तथा सत्य और तप के अनुष्ठान से साधक किस प्रकार परमात्मा का साक्षात्कार करता है? समझाइये।
9. (क) "अजामेकां लोहित .....। (ख) द्वा सुपर्णा सयुजा .....।"
   उक्त मंत्रों के माध्यम से स्पष्ट कीजिये की योग के कारण जीवात्मा बंधन में आता है जबकि त्याग से मुक्त हो जाता है।
10. भगवान् श्रीकृष्ण के अनुसार तीन प्रकार के सुखों को समझाइये।
11. मोक्षसंन्यासयोग में वर्णित भगवान् श्रीकृष्ण की परम गुह्यतम वाणी के द्वारा निःसृत परम गुह्यतम ज्ञान का वर्णन कीजिये जिससे साधक सम्पूर्ण पापों से मुक्त हो जाता है।
12. मोक्षसंन्यासयोग में भगवान् श्रीकृष्ण के द्वारा वर्णित श्रीमद्भगवद्गीतामाहात्म्य का प्रतिपादन कीजिये।

----------X----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BV-605
BD-606

University of Patanjali

Examination May–June-2024

B.A. Vyakaran, Semester: 6th
B.A. Darshan, Semester: 6th

English

Communicative English
English Literature

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

Note: This paper is of seventy (70) marks divided into three (03) sections A, B, C and D. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

Section - A
(Long Answer Type Questions)

Note: Section 'A' contains five (05) long-answer-type questions of fifteen (15) marks each. Attempt any **three** questions. **(3×15=45)**

1. How does the poet convey a sense of solitude in the poem "The Solitary Reaper"?

2. Describe the vision and mission of Karmayogi Swami Ramdev Ji in the field of public Health.

3. What were the contribution of Swami Dayanand Saraswati in the field of education.

4. Why Sardar Vallabh Bhai Patel is considered the architect of Indian unity?

5. What is the significance of the title 'The Last Leaf'?

Section - B
(Short Answer Type Questions)

Note: Section 'B' contains Seven (07) short-answer-type questions of five (05) marks each. Attempt any **five** (05) questions. **(5×5=25)**

6. In the poem 'Mercy' written by William Shakespeare the speaker feels that mercy is twice blessed. Why?

7. What is the role of dharma in Mahabharat?

8. What does 'The Ramayana' reveal about Lakshaman's character?

9. Explain the relevance of both the epics 'The Ramayan' and 'The Mahabahrat' in today's Indian Society.

10. Why has the poet compared the nightingale's song to that of the solitary reaper?

11. Sometimes we see something beautiful and striking and we remember it for a long time afterwards can you recollect such incident?

12. Who are your role models in life?

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code

BA-ENV-06/
BD-607/
BV-ENV

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

B.A. (with Yoga Science), Semester: 6th
B.A. Darshan, Semester: 6th
B.A. Vyakaran, Semester: 6th

Introduction to Environment

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

Note: This paper is of seventy (70) marks divided into two (02) sections A, and B. Attempt the questions of each sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

Section - A / खण्ड-क
(Long Answer Type Questions) /(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'A' contains five (05) long-answer-type questions of fifteen (15) marks each. Attempt any **three** questions. **(3×15=45)**

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. वन पारिस्थितिकी तंत्र के घटक, संरचना और कार्य पर चर्चा करें।

Discuss component, structure and function of forest ecosystem.

2. जैविक विविधता पर एक निबंध लिखें।

Write an essay upon Biological Diversity.

3. निम्नलिखित पर नोट लिखें- (अ) जनसंख्या विस्फोट (ब) परमाणु प्रदूषण।

Write note upon - (A) Population explosion (B) Nuclear pollution.

4. पर्यावरण प्रदूषण शब्द को परिभाषित करें। वायु प्रदूषण के विभिन्न कारणों, प्रभावों और नियंत्रण उपायों पर विस्तार से चर्चा करें।

Define the term environmental pollution. Discuss in details the various causes, effects and control measures of Air Pollution.

5. जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 पर चर्चा करें।

Discuss Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974.

Section - B / खण्ड-ख

(Short Answer Type Questions) /(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'B' contains Seven (07) short-answer-type questions of five (05) marks each. Attempt any **five** (05) questions. **(5×5=25)**

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

6. पर्यावरण विज्ञान का क्षेत्र एवं महत्व लिखिए।

Write scope and importance of Environmental Science.

7. पारिस्थितिक पिरामिडों पर चर्चा करें।

Discuss Ecological Pyramids.

8. एक्स-सीटू और इन-सीटू संरक्षण के बीच अंतर बताएं।

Differentiate between Ex-situ and in-situ conservation.

9. ध्वनि प्रदूषण पर टिप्पणी लिखिए।

Write note upon Noise Pollution.

10. मृदा प्रदूषण पर टिप्पणी लिखें।

Write note upon Soil Pollution.

11. पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर चर्चा करें।

Discuss environment and Human Health.

12. वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 पर चर्चा करें।

Discuss Wildlife Protection Act, 1972.

----------x----------